मंगलवार
26 ,मई , 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 106 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 कार्यशाला से बिहार में डिजिटल पुलिसिंग को मिली नई मजबूती

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार पुलिस और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) बिहार के संयुक्त प्रयास से 25 मई 2026 को सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राज्य के नवस्थापित 343 पुलिस थानों में सीसीटीएनएस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से आयोजित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार राज्य सूचना विज्ञान पदाधिकारी डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बिहार सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 के सफल कार्यान्वयन में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी नवस्थापित थानों में परियोजना को गुणवत्तापूर्ण ढंग से लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि बिहार के नवाचार और कार्यप्रणालियां अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बन सकती हैं।

कार्यशाला के दौरान राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के विशेषज्ञों ने सीसीटीएनएस सीएएस 1.0 की प्रमुख विशेषताओं और विभिन्न मॉड्यूल की विस्तृत जानकारी दी। एनआईसी बिहार के अधिकारियों ने परियोजना की कार्यान्वयन रणनीति, रोलआउट योजना तथा तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला सूचना-विज्ञान पदाधिकारियों ने तकनीकी सहयोग देकर पुलिस अधिकारियों को प्रणाली की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराई। नालंदा जिले से जिला सूचना-विज्ञान पदाधिकारी अजीत कुमार, डीआरएम तनवीर आलम, नेटवर्क इंजीनियर नीरज कुमार सिंह एवं आशीष रंजन ने सक्रिय भूमिका निभाई। जिले के चयनित आठ थानों के थानाध्यक्षों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

यह कार्यशाला बिहार में डिजिटल पुलिसिंग को मजबूत करने तथा आधुनिक तकनीक आधारित पुलिस व्यवस्था के प्रभावी संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

जनशिकायतों के त्वरित निस्तारण और विकास कार्यों में तेजी के निर्देश

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय तकनीकी और गैर-तकनीकी पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनहित से जुड़े विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने मनरेगा एवं जल संसाधन विभाग को समन्वय स्थापित कर छोटी नदियों और नहरों की गाद उड़ाही, आहर-पईन के पुनर्जीवन, अतिक्रमण हटाने तथा जमींदारी बांधों के सुदृढ़ीकरण का कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की “सबका सम्मान, जीवन आसान” योजना के तहत प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालयों में सेवा संवाद समाधान कार्यक्रम आयोजित कर आम लोगों की शिकायतों का सम्मानपूर्वक और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में 2 जून को सभी प्रखंडों में सहयोग शिविर आयोजित करने, पंचायत स्तर पर प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन करने तथा भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एक्स-रे जैसी सेवाएं पूरी तरह क्रियाशील रखने तथा मरीजों को अनावश्यक रेफर नहीं करने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा आपदा प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पेयजल व्यवस्था, प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना, बाढ़ पूर्व तैयारी, मलमास मेला-2026 की व्यवस्थाओं और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का समयबद्ध और प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

श्रवण कुमार बोले: जनता की सुविधा के लिए जल्द शुरू होगी ई-बस सेवा

जेपी चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और बेहतर परिवहन व्यवस्था के संकल्प के साथ सोमवार को जनता दल (यूनाइटेड) प्रदेश कार्यालय, पटना में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी तथा लोकप्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।

मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम आम लोगों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता के आवागमन को अधिक सुविधायुक्त और सुगम बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत बिहार में जल्द ही इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।वहीं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और कच्चे तेल के आयात में आने वाली बाधाओं के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था के मामले में पूरी तरह सजग है और अपराध तथा कानून को चुनौती देने वालों के प्रति सरकार की ‘शून्य सहिष्णुता’ की नीति जारी रहेगी।

मलमास मेला में जीविका दीदियों का कमाल, स्वाद और स्वावलंबन की मिसाल

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर में आयोजित ऐतिहासिक मलमास मेला 2026 में जीविका दीदियां नारी सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। 17 मई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा उद्घाटित इस मेले में नालंदा जिले की 25 जीविका दीदियां अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए आगंतुकों को घर जैसा शुद्ध, पौष्टिक और किफायती भोजन उपलब्ध करा रही हैं।

जिला प्रशासन द्वारा प्रदान किए गए 25 स्टॉलों पर विभिन्न प्रखंडों की महिलाओं ने भोजन केंद्र संचालित किए हैं। यहां मात्र 35 रुपये में पांच रोटी, सब्जी तथा दाल-चावल के साथ आचार परोसा जा रहा है। मेले में आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक कम कीमत में स्वच्छ एवं स्वादिष्ट भोजन मिलने से काफी संतुष्ट नजर आ रहे हैं।

इन स्टॉलों की खासियत यह है कि भोजन तैयार करने में उपयोग होने वाली अधिकांश सामग्री भी जीविका समूहों की महिलाओं द्वारा ही उपलब्ध कराई जा रही है। गिरियक की पूजा दीदी के आटा चक्की केंद्र से आटा, सिलाव की मंजुला दीदी के उत्पादन केंद्र से मसाले तथा किरण देवी द्वारा पत्तल-दोना की आपूर्ति की जा रही है। वहीं विभिन्न स्टॉलों के संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन का समन्वय भी जीविका दीदियां ही कर रही हैं।अब तक इन स्टॉलों के माध्यम से करीब चार लाख रुपये का कारोबार हो चुका है। यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ा रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही है। मलमास मेला में जीविका दीदियों की यह सफलता ग्रामीण विकास और सामूहिक उद्यमिता की प्रेरक मिसाल बन गई है।

56 लाख से 28 लाख पर पहुंचा टेंडर, आखिर किसे मिला फायदा? बिहारशरीफ में मचा बवाल

'सरकार को करोड़ों का नुकसान'— समाजसेवी संजय कुमार सिन्हा ने टोल टैक्स टेंडर पर उठाए गंभीर सवाल

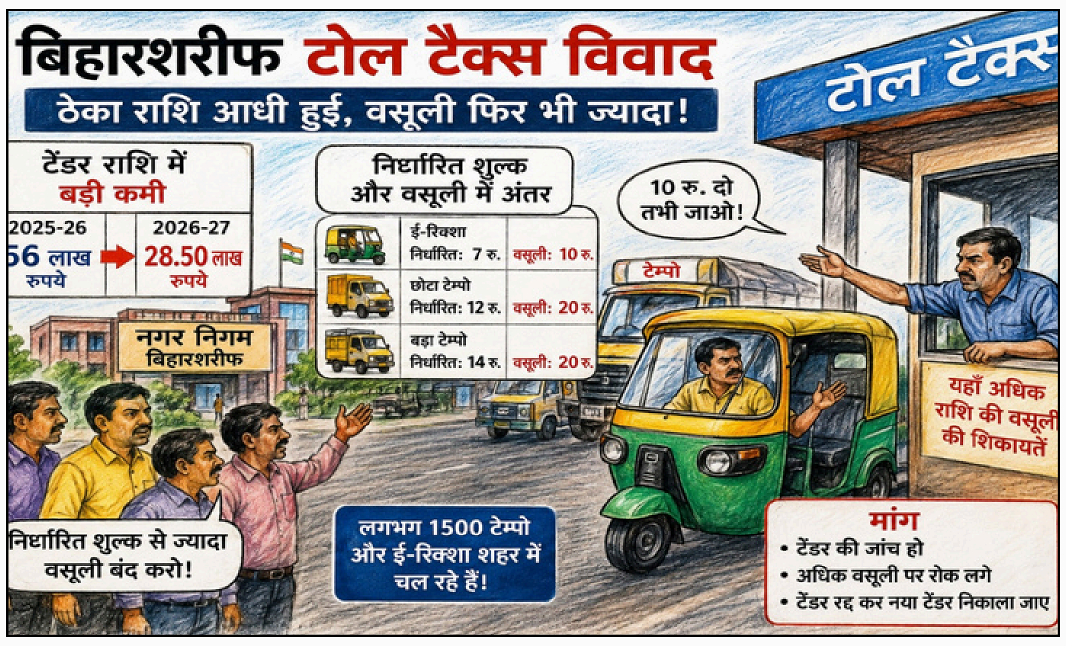

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।बिहारशरीफ नगर निगम में टेम्पो और ई-रिक्शा टोल टैक्स की वसूली को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। एक तरफ बिहार सरकार राजस्व बढ़ाने और विकास कार्यों को गति देने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ बिहारशरीफ नगर निगम में टोल टैक्स ठेका प्रक्रिया और वसूली व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि वर्ष 2026-27 के लिए टेम्पो एवं ई-रिक्शा टोल टैक्स का ठेका पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी राशि पर दे दिया गया, जबकि वाहन संख्या और वसूली की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय लोगों, वाहन चालकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का माहौल गर्म है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र में टेम्पो एवं ई-रिक्शा टोल टैक्स वसूली का ठेका लगभग 56 लाख रुपये में दिया गया था। लेकिन वर्ष 2026-27 के लिए यही ठेका मात्र 28 लाख 50 हजार रुपये में आवंटित कर दिया गया। यानी पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधीराशि पर टेंडर स्वीकृत किया गया। इस निर्णय ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आम तौर पर महंगाई, बढ़ती वाहन संख्या और राजस्व वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए टेंडर राशि में बढ़ोतरी होने की उम्मीद की जाती है, लेकिन यहां इसके विपरीत ठेका राशि में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शहर में टेम्पो और ई-रिक्शा की संख्या बढ़ी है तो राजस्व भी बढ़ना चाहिए था। ऐसे में टेंडर राशि में इतनी बड़ी कमी किस आधार पर की गई, यह जांच का विषय है। कई जानकारों का मानना है कि इस मामले में नगर निगम के कुछ पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके।

दूसरी ओर वाहन चालकों का आरोप है कि ठेका राशि कम होने के बावजूद वसूली कर्मियों द्वारा निर्धारित दर से अधिक पैसा लिया जा रहा है। चालकों का कहना है कि निगम द्वारा निर्धारित शुल्क और मौके पर वसूले जा रहे शुल्क में बड़ा अंतर है। उनके अनुसार ई-रिक्शा से निर्धारित शुल्क 7 रुपये है, लेकिन वसूली कर्मी 10 रुपये तक वसूल रहे हैं। इसी प्रकार छोटे टेम्पो से निर्धारित 12 रुपये के बजाय 20 रुपये और बड़े टेम्पो से निर्धारित 14 रुपये के बजाय 20 रुपये तक वसूले जाने का आरोप लगाया जा रहा है।चालकों का कहना है कि यदि कोई चालक अतिरिक्त राशि देने का विरोध करता है तो उसके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। कई वाहन चालकों ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी तक दी जाती है। उनका कहना है कि रोजाना कमाई का बड़ा हिस्सा टोल टैक्स और अन्य खर्चों में चला जाता है, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है।

सबसे अधिक शिकायत बिहारशरीफ के अस्पताल चौक स्थित टोल वसूली केंद्र को लेकर सामने आ रही है। यह स्थान जिला मुख्यालय का अत्यंत व्यस्त क्षेत्र माना जाता है, जहां से प्रतिदिन जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी गुजरते हैं। इसके बावजूद कथित रूप से निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली होनेकी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। वाहन चालकों का सवाल है कि जब यह गतिविधि सार्वजनिक स्थल पर खुलेआम हो रही है तो जिम्मेदार विभाग इस पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है।

कुछ चालकों ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे शिकायत लेकर थाना पहुंचते हैं तो उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिकपुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार उठ रही शिकायतों ने व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

नगर निगम चुनाव के दौरान भी टेम्पो और ई-रिक्शा टोल टैक्स का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। चालकों का कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान मेयर प्रतिनिधि मनोज तांती द्वारा टोल टैक्स समाप्त करने का आश्वासन दिया गया था। इसी भरोसे पर बड़ी संख्या में चालकों ने समर्थन दिया था। लेकिन चुनाव के बाद न केवल टोल टैक्स जारी रहा बल्कि कथित रूप से अधिक वसूली की शिकायतें भी बढ़ती गईं।

इस कारण वाहन चालकों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि यदि टोल टैक्स समाप्त नहीं किया जा सकता तो कम से कम निर्धारित दरों का सख्ती से पालन कराया जाए।

जानकारों के अनुसार बिहारशरीफ शहर में लगभग 15000 टेम्पो और ई-रिक्शा संचालित हैं। इतनी बड़ी संख्या में वाहनों से प्रतिदिन होने वाली वसूली को देखते हुए राजस्व का आंकड़ा काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

यही कारण है कि टेंडर राशि में आई भारी कमी को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

समाजसेवी संजय कुमार सिन्हा ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार आर्थिक संसाधनों को मजबूत करने का प्रयास कर रही है तो नगर निगम को भी राजस्व बढ़ाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टेंडर राशि में अचानक आई भारी गिरावट से यह संदेह उत्पन्न होता है कि कहीं न कहीं सरकार को संभावित राजस्व हानि पहुंचाई जा रही है। उन्होंने मांग की कि पूरे टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए कहा कि यदि आवश्यक हो तो वर्तमान टेंडर को रद्द कर पुनः पारदर्शी प्रक्रिया के तहत नया टेंडर जारी किया जाए। साथ ही टोल वसूली केंद्रों पर निर्धारित शुल्क सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने तथा अधिक वसूली की शिकायतों की जांच कराने की भी मांग की गई है।फिलहाल टेम्पो और ई-रिक्शा टोल टैक्स को लेकर उठे सवालों ने बिहारशरीफ नगर निगम की कार्यप्रणाली को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब लोगों की नजर प्रशासन और नगर निगम की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है कि इन आरोपों की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाती है या नहीं।

लूटकांड का खुलासा, तीन नाबालिग समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। चंडी थाना क्षेत्र के माहो स्थित पैक्स गोदाम के समीप हुए बाइक, मोबाइल और नकदी लूटकांड का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिग समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई बाइक, मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त आर-15 बाइक भी बरामद कर ली है।

थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व सबलपुर निवासी एक युवक से अपराधियों ने हथियार के बल पर बाइक, मोबाइल और नकदी लूट ली थी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया और तकनीकी अनुसंधान, स्थानीय सूचना संग्रह तथा लगातार छापेमारी अभियान चलाया गया।

जांच के दौरान मिले सुराग के आधार पर नगरनौसा थाना क्षेत्र के महमदपुर निवासी मुकेश जमादार उर्फ लेमण्टी तथा महद्दीपुर निवासी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने तीन नाबालिगों को भी हिरासत में लिया।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई संपत्ति और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद कर लिया। दोनों वयस्क आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में राहत और सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

भतहर उच्च विद्यालय की कृषि भूमि बंदोवस्ती से बढ़ी विद्यालय आय

थरथरी (अपना नालंदा)। भतहर उच्च विद्यालय परिसर में सोमवार को विद्यालय की कृषि योग्य भूमि की बंदोवस्ती प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित डाक प्रक्रिया में शिक्षक-शिक्षिकाओं, शिक्षकेत्तर कर्मियों तथा ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

जानकारी के अनुसार ओली बिगहा स्थित 96 डिसमिल कृषि भूमि की बंदोवस्ती 15 हजार रुपये में की गई। यह भूमि गांव के बालयुगेश्वर प्रसाद के नाम डाक हुई। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष इसी भूमि का बंदोबस्त 14 हजार 500 रुपये में हुआ था। इस वर्ष डाक राशि में मामूली वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं मेहतरावां स्थित 250 डिसमिल भूमि की बंदोवस्ती 59 हजार 600 रुपये में हुई। इस भूमि की डाक महेंद्र पासवान ने ली। पिछले वर्ष भी उन्होंने ही 59 हजार 500 रुपये में उक्त भूमि का बंदोबस्त कराया था। इस बार भी डाक प्रक्रिया में उनके अलावा कोई अन्य बोलीदाता शामिल नहीं हुआ।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में सिंचाई और पटवन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से खेती की लागत बढ़ रही है तथा उत्पादन प्रभावित हो रहा है। यही कारण है कि भूमि की डाक राशि में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई।

बंदोवस्ती प्रक्रिया के दौरान शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा ग्रामीणों ने पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य संपन्न कराया। विद्यालय प्रबंधन को उम्मीद है कि बंदोवस्ती से प्राप्त राशि विद्यालय के विभिन्न विकास कार्यों और आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी।

शिक्षक हितों पर जल्द फैसलों का भरोसा, शिक्षा मंत्री का बड़ा संकेत

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। बिहार पंचायत-नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में रविन्द्र भवन में शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के सम्मान में भव्य अभिनंदन-सह-सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। रविन्द्र भवन शिक्षकों से खचाखच भरा रहा और शिक्षक अपने नए शिक्षा मंत्री के स्वागत के साथ-साथ शिक्षक हितों से जुड़ी संभावित घोषणाओं को लेकर उत्साहित दिखे।

समारोह का शुभारंभ शिक्षा मंत्री एवं शिक्षक संघ के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में नालंदा शिक्षक संघ की टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संघ के प्रदेश सचिव एवं नालंदा जिलाध्यक्ष सूर्यकांत सिंह कांत ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक हमेशा अपने दायित्वों के प्रति सजग रहते हैं। उन्होंने शिक्षकों की प्रोन्नति, शनिवार को अर्धदिवसीय कार्य, वेतन विसंगतियों के समाधान तथा लंबित वेतन और एरियर भुगतान जैसी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग उठाई।अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए तेजी से सुधारात्मक कदम उठा रही है। शिक्षकों की जायज और संवैधानिक मांगों को पूरा करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा, ताकि उन्हें न्याय के लिए अदालतों का सहारा न लेना पड़े। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। मंत्री ने संकेत दिया कि सरकार शिक्षकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने जा रही है।कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शशिप्रभा सिन्हा, जिला प्रभारी रीतेश कुमार, महासचिव नवल किशोर शर्मा, संयोजक कौशलेंद्र कुमार ब्रह्मचारी सहित अनेक शिक्षक नेता उपस्थित रहे।

मलमास मेला में दिव्यांग और वृद्ध श्रद्धालुओं के लिए व्हीलचेयर सेवा शुरू

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर में आयोजित मलमास मेला के दौरान ब्रह्मकुंड पहुंचने वाले दिव्यांगजन, वृद्धजन तथा महिला-पुरुष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्हीलचेयर सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन नालंदा के निर्देश पर विकास मित्र पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ श्रद्धालुओं को व्हीलचेयर के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

ब्रह्मकुंड में स्नान और पूजा-अर्चना के लिए आने वाले असहाय एवं चलने-फिरने में असमर्थ श्रद्धालुओं को इस सेवा से काफी राहत मिल रही है। विकास मित्र श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से निर्धारित स्थानों तक पहुंचाने और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखने का कार्य कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी अधिकारी और कर्मचारी सेवा भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए निरंतर तत्पर हैं।

श्रद्धालुओं ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि व्हीलचेयर सेवा से दिव्यांग और वृद्ध लोगों को ब्रह्मकुंड तक पहुंचने में काफी सहूलियत मिल रही है। जिला प्रशासन की यह व्यवस्था मलमास मेला में मानव सेवा और संवेदनशील प्रशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बन रही है।

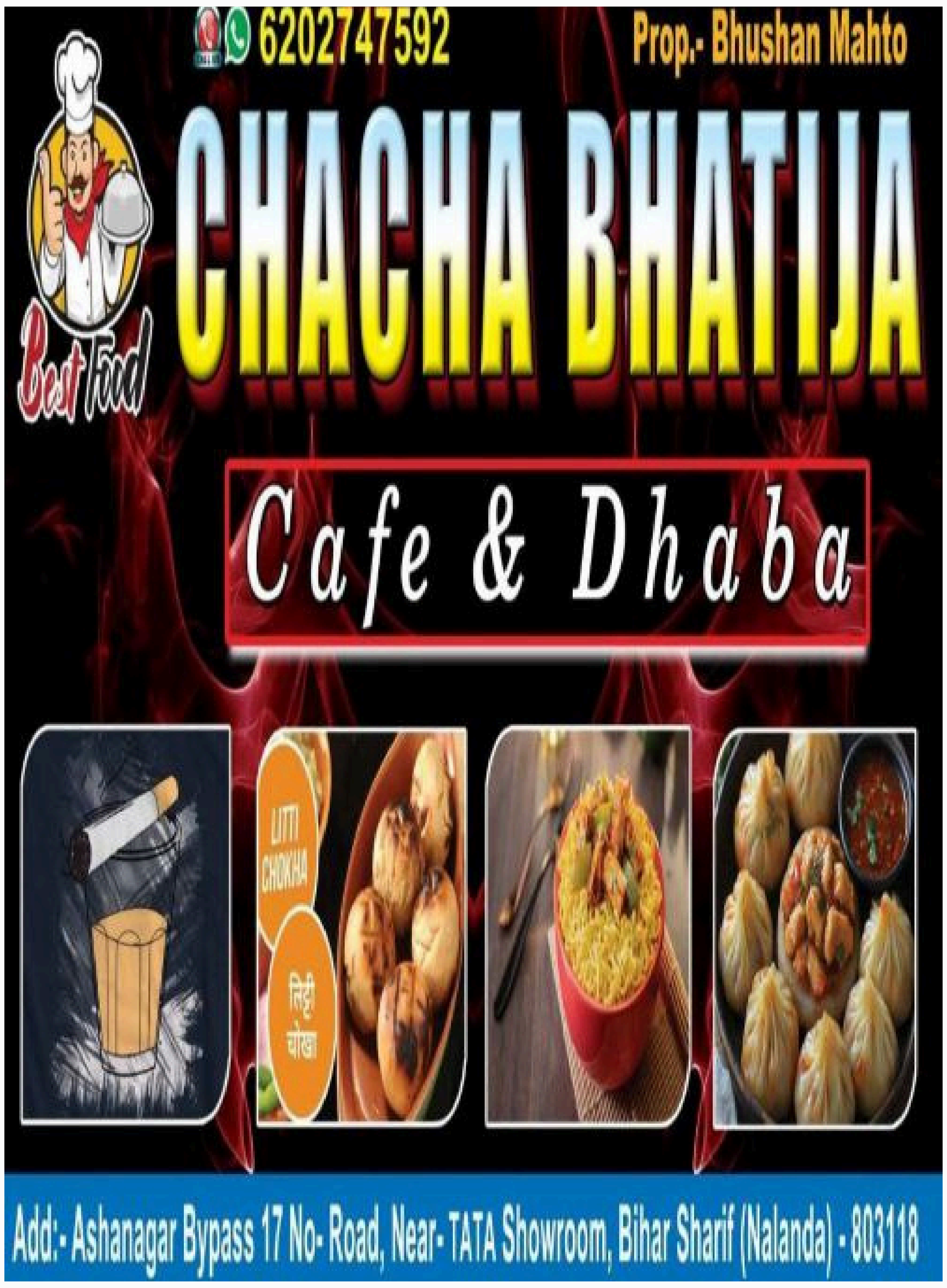

हरनौत नगर पंचायत में सशक्त स्थायी समिति चुनाव 30 को

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।नगर पंचायत हरनौत की सशक्त स्थायी समिति के चुनाव की तिथि निर्धारित होते ही नगर राजनीति में हलचल तेज हो गई है।वार्ड पार्षद जोड़ तोड़ में लगे हुए है।जो कमजोर वार्ड पार्षद हैं,उसे समझा-बुझाकर अपनी तरफ करने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञात हो कि पहले मुख्य पार्षद स्वयं तीन पार्षद को

सशक्त स्थायी समिति के सदस्य के लिए मनोनीत कर लेते थे। लेकिन अब बिहार नगर पालिका संशोधन अधिनियम 2026 के तहत सशक्त स्थायी समिति के चुनाव होगा।

वहीं उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह बताते हैं कि

19 जनवरी 2023 को हरनौत नगर पंचायत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनी। इसमें तीन महिलाएं व दो पुरुष हैं। मुख्य पार्षद बबीता देवी व उप मुख्य पार्षद गीता देवी के अलावा तीन वार्ड पार्षदों(दो नंबर वार्ड की पार्षद बबीता पांडेय,वार्ड-7 के पार्षद राजू कुमार व वार्ड-15 के राजीव रंजन)

को इसमें जगह मिली है। वर्तमान में ये तीनों सशक्त स्थायी समिति के सदस्य हैं।

अब चुनाव से चयनित सदस्य स्वतंत्र रूप से विकास कार्यों की निगरानी कर सकेंगे।

उधर राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिलाधिकारी ने लेटर जारी कर 30 मई को चुनाव कराने की तिथि फिक्स की है। जारी लेटर के अनुसार प्रखंड सभागार कक्ष में सुबहआठ बजे से मतदान संबंधित विभिन्न प्रक्रिया शुरू होगी।

यह मतदान गुप्त मतपत्र के माध्यम से होगा।

मतदान के बाद उसी दिन मतगणना,विजेताओं

की घोषणा एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।चुनाव में निर्वाची पदाधिकारी के रूप में जिला पंचायती राज पदाधिकारी संकेत कुमार को प्रतिनियुक्त किया गया है। जबकि सहायक निर्वाची पदाधिकारी के रूप में हरनौत बीडीओ डॉ पंकज कुमार,सीओ पुजा कुमारी,बीपीआरओ उमेश कुमार को तथा सहयोगी के रूप में आरओ को जिम्मेदारी दी गई है।उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी सशक्त स्थायी समिति चुनाव की तिथि निर्धारित की गई थी। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 15 से 20 अप्रैल तक के बीच पूरे बिहार में चुनाव होना था तथा हरनौत में 18 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित था।लेकिन 15 अप्रैल को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी पत्र के आलोक में चुनाव स्थगित कर दिया गया था। अब पुनः 30 मई को चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है।30 मई को हरनौत के अलावा बिहारशरीफ , राजगीर,हिलसा, इस्लामपुर सहित जिले के सभी 15 निकायों में भी सशक्त स्थायी समिति का चुनाव कराया जाएगा।चुनाव को लेकर अभी से नगर पंचायत के भीतर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।संभावित उम्मीदवारों की बैठकों का दौर शुरू हो गया है और कई नए चेहरे भी चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में जुट गए हैं।

डॉ0 अंजनी कुमार सुमन को 'ऋतमंजरी' के लिए मिला 'डॉ0 जनार्दन गोस्वामी स्मृति स्वर्ण सम्मान-2026

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।महाबोधि महाविद्यालय (बी0एड0), नालंदा के प्रोफेसर एवं चर्चित कवि एवं ग़ज़लकार डॉ. अंजनी कुमार सुमन को उनकी अंगिका भाषा की काव्य पुस्तक 'ऋतुमंजरी' के लिए दिनांक 25/05/2026 (रविवार) को रजिस्टर्ड साहित्यक संस्था 'साहित्य समागम भारत, देवघर (झाड़खंड) द्वारा ' डॉ0 जनार्दन गोस्वामी स्मृति स्वर्ण गौरव सम्मान' दिया गया। जो उन्हें देवघर में होटल हरियाली के सभाकक्ष में हो रहे वृहद साहित्यिक कार्यक्रम के समारोह के दौरान दिया गया। यह सम्मान उन्हें संस्था के सचिव रविशंकर साह एवं सम्मानित अतिथियों द्वारा प्रतीक चिन्ह, रेशमी चादर एवं सम्मान पत्र देकर दिया गया। कवि अंजनी सुमन शिक्षा कीसेवा सह अनुसंधान के साथ हिंदी एवं अंगिका साहित्य लेखन में लगातार कई वर्षों से अपनी सेवा देकर दर्जनों सम्मान एवं पुरस्कार से सम्मानित होने वाले चर्चित कवि हैं। उन्हें यह सम्मान ऋतुमंजरी के लिए दिया गया, जो एक मुक्त प्रबंध काव्य है। इस पुस्तक में छः ऋतुओं की छन्दात्मक व्याख्या बहुत ही उत्कृष्ट तरीके से की गयी है। इसके अलावा इनकी तीन पुस्तकें 'हार का उपहार', 'प्राचीन अंग प्रदेश में तंत्रवाद' एवं कविता संग्रह 'तुम्हारे प्रेम की पंखुड़ियाँ' प्रकाशित हैं।

इसके अतिरिक्त इनकी रचनाएँ राष्ट्रस्तरीय पत्र-पत्रिकाओं तथा आकाशवाणी एवं दूरदर्शन पर प्रकाशित एवं प्रसारित होती रहती हैं।

उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के सचिव डॉ0 अरविन्द कुमार, प्राचार्य डॉ0 दीपक शर्मा एवं सभी साथी प्राध्यापकों एवं स्थानीय साहित्यकारों ने बधाई दी है।

किसानों की मांगों को लेकर 15 जून को डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

थरथरी (अपना नालंदा)। अखिल भारतीय किसान महासभा एवं संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 15 जून को नालंदा जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में सोमवार को बिहारशरीफ स्थित सामुदायिक भवन में बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता किसान महासभा के जिला सचिव मुनिलाल यादव, गांव बचाओ संघर्ष मोर्चा के नेता चंद्रशेखर प्रसाद तथा किसान नेता कमलेश कुमार कमल ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में नेताओं ने जहानाबाद के उदेरास्थान से फल्गु नदी के माध्यम से मुहाने नदी में पानी आने वाले मार्ग को पुनः खोलने तथा लोकायन नदी के दोनों किनारों पर पक्का तटबंध निर्माण की मांग उठाई। उनका कहना था कि मुहाने नदी का मार्ग बंद होने से हिलसा अनुमंडल सहित कई क्षेत्रों में सिंचाई संकट और सुखाड़ की स्थिति बनी रहती है, जबकि लोकायन नदी के कारण हर वर्ष बाढ़ से किसानों की फसलें बर्बाद होती हैं।

किसान नेताओं ने केंद्र सरकार की कृषि नीतियों, महंगाई, निजीकरण और किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने सब्जी उत्पादक किसानों को राहत राशि देने, सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने तथा खाद की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

बैठक में बखोरी प्रसाद, जनार्दन प्रसाद, दिनेश प्रसाद यादव, सत्येंद्र पासवान, महेंद्र प्रसाद, अवधेश महतो, ओमप्रकाश सिंह, कामेश्वर प्रसाद, अरविंद प्रसाद और चंद्रिका यादव समेत कई किसान नेताओं ने अपने विचार रखे तथा आगामी आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

मलमास मेला में बिछड़े परिवारों को मिलाने में कंट्रोल रूम की अहम भूमिका

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर में आयोजित मलमास मेला-2026 के दौरान बिछड़े एवं खोए हुए लोगों को उनके परिजनों से मिलाने में कंट्रोल रूम की टीम ने सराहनीय कार्य किया है। कंट्रोल रूम में तैनात अधिकारियों एवं कर्मियों की तत्परता, सजगता और समर्पित प्रयासों के कारण कई श्रद्धालु अपने परिवारों से सकुशल मिल सके।

मेले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंच रहे हैं। भीड़भाड़ के बीच कई बार बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग अपने परिजनों से बिछड़ जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में कंट्रोल रूम की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक उद्घोषणा, सूचना संकलन और समन्वय के माध्यम से खोए हुए लोगों को उनके परिवारों तक सुरक्षित पहुंचाया।

कंट्रोल रूम की सक्रिय भूमिका से न केवल बिछड़े परिवारों के चेहरों पर खुशी लौटी, बल्कि मेले में आए श्रद्धालुओं को सुरक्षा और भरोसे का भी एहसास हुआ। जिला प्रशासन द्वारा की गई इस व्यवस्था की लोगों ने सराहना करते हुए इसे जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल कंट्रोल रूम से संपर्क करें, ताकि समय रहते आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

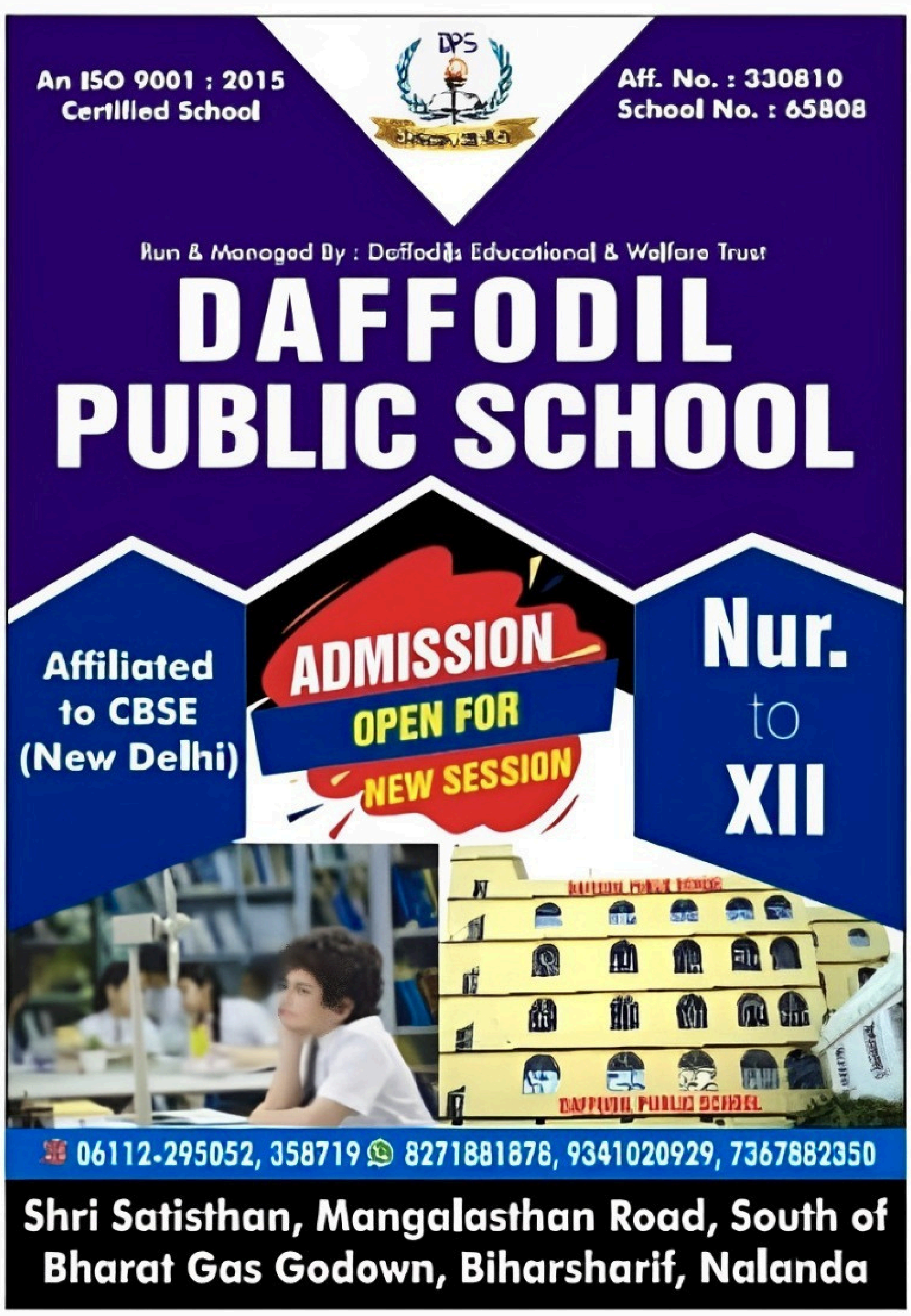

खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने रग्बी खिलाड़ियों को किया सम्मानित, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और समयबद्ध सहायता पर दिया जोर

संजय कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार सरकार के खेल विभाग द्वारा सोमवार को विकास भवन स्थित कार्यालय में राज्य के प्रतिभावान रग्बी खिलाड़ियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने खिलाड़ियों से संवाद किया, उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की तथा उन्हें खेल सामग्री (स्पोर्ट्स किट) प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री ने खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और समय पर सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में सम्मानित सभी खिलाड़ी बिहार सरकार की 'सक्षम छात्रवृत्ति योजना' के लाभार्थी हैं। इस योजना के तहत खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण, पोषण और प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। खेल मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों को ऐसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

श्रेयसी सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खेल विभाग की योजनाओं की जानकारी राज्य के प्रत्येक खिलाड़ी तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से खिलाड़ियों तक पहुंचे, ताकि किसी भी खिलाड़ी की तैयारी संसाधनों के अभाव में प्रभावित न हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को वितरण प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा प्रभावी बनाने का निर्देश दिया।

खेल मंत्री ने सरकारी सेवा में कार्यरत खिलाड़ियों की समस्याओं पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकारी सेवा में कार्यरत खिलाड़ियों को प्रतिदिन दोपहर तीन बजे के बाद अभ्यास के लिए समय उपलब्ध कराया जाए, विशेषकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान।

खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए मंत्री ने वैज्ञानिक आहार व्यवस्था पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को संतुलित भोजन, उचित पोषण और प्रोटीन सेवन की वैज्ञानिक जानकारी दी जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि खिलाड़ी केवल राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा प्रमाणित उत्पादों का ही उपयोग करें। डोपिंग से जुड़े नियमों की जानकारी प्रत्येक खिलाड़ी को होनी चाहिए और इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में श्रेयसी सिंह ने खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन, समर्पण और संघर्ष की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी की सफलता के पीछे लगातार अभ्यास, कठिन परिश्रम, धैर्य और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता सबसे महत्वपूर्ण होती है। "कभी हार न मानने" की सोच ही खिलाड़ियों को सफलता के शिखर तक पहुंचाती है।

मंत्री ने बिहार के रग्बी खिलाड़ियों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य के कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बिहार का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि खेल विभाग प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर संभव सहायता, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में अरमान आलम, राजू कुमार, सौरभ कुमार, रोहित कुमार, राजा कुमार, गोल्डन कुमार, आरती कुमारी, अंशु कुमारी और अल्पना कुमारी प्रमुख रूप से शामिल रहे। वहीं बिहार सरकार की विभिन्न सेवाओं में चयनित खिलाड़ियों में रौशन कुमार, ऋतु कुमारी, चुनचुन कुमारी, करिना कुमारी, शोभा कुमारी, राकेश मुर्मू, मोहम्मद अरमान आलम, प्रतीक राज, राजू कुमार और सौरभ कुमार के नाम शामिल हैं।

इस अवसर पर दुर्गेश नंदिनी, रौशन कुमार, ऋतु कुमारी, रोहित कुमार, राजा कुमार, गोल्डन कुमार, आरती कुमारी, अंशु कुमारी, अल्पना कुमारी, चुनचुन कुमारी, चांदनी कुमारी, दिव्यांशु भारती, कोमल कुमारी, करिना कुमारी, शोभा कुमारी, राकेश मुर्मू, दीपक कुमार, सुदामा कुमार, मोहम्मद अरमान आलम, प्रतीक राज, राजू कुमार और सौरभ कुमार सहित अनेक खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम ने खिलाड़ियों में नया उत्साह भरने के साथ यह संदेश भी दिया कि बिहार सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और राज्य को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है।

2500 प्रतिनिधियों ने लिया सामाजिक उत्थान का संकल्प, ऑल इंडिया दुसाध परिवार ट्रस्ट ने लॉन्च किया 'मिशन 2027'

पटना (अपना नालंदा)। ऑल इंडिया दुसाध परिवार ट्रस्ट (एआईडीपी) का तृतीय महासम्मेलन रविवार को पुनपुन, पटना में उत्साह, एकजुटता और सामाजिक जागरूकता के माहौल में संपन्न हुआ। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे करीब 2500 प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लेकर समाज के शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शांति देवी, विशिष्ट अतिथि अनिरुद्ध प्रसाद एवं राजीव रंजन के साथ ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामबली पासवान तथा संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

महासम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के महासचिव ने "सामाजिक विकास – संकल्प से सिद्धि तक" विषय पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संकल्प ही समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है और यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के महायज्ञ का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, संगठन और स्वावलंबन के क्षेत्र में सामूहिक प्रयासों से ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

सम्मेलन के दौरान ट्रस्ट द्वारा पिछले दो वर्षों में किए गए कार्यों की उपलब्धियां भी प्रस्तुत की गईं। शिक्षा के क्षेत्र में संचालित "प्रगति शिक्षा केंद्र" के माध्यम से 120 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। इनमें से 8 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर संगठन का नाम रोशन किया है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सात निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर 1800 से अधिक लोगों का उपचार कराया गया, जबकि 23 मोतियाबिंद ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए। संगठनात्मक विस्तार की बात करें तो वर्तमान में ट्रस्ट के 22 राज्यों में 11 हजार से अधिक सक्रिय सदस्य कार्यरत हैं।

महासम्मेलन में आगामी तीन वर्षों के लिए "सामाजिक विकास मिशन 2027" की घोषणा भी की गई। इस मिशन के अंतर्गत पांच प्रमुख संकल्प निर्धारित किए गए हैं। पहला, वर्ष 2027 तक प्रत्येक जिले में शिक्षा एवं कोचिंग सुविधा से युक्त "प्रगति केंद्र" स्थापित करना, जहां पांच हजार बच्चों को पुलिस, सेना, रेलवे और कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी। दूसरा, प्रत्येक प्रमंडल में "दुसाध सेवा एंबुलेंस" उपलब्ध कराना तथा हर छह माह पर मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना। तीसरा, युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना करना। चौथा, जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक राज्य में अधिवक्ताओं का पैनल बनाना। पांचवां, नौकरी, सरकारी योजनाओं और रक्तदान संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल एप विकसित करना।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रामबली पासवान ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और लोकनायक बाबा चौहरमल के विचार समाज को शिक्षित, संगठित और सशक्त बनाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि 2500 लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि समाज अब विकास और जागरूकता की दिशा में संगठित होकर आगे बढ़ रहा है। मुख्य अतिथि शांति देवी ने महिलाओं और बेटियों की शिक्षा को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि मातृशक्ति के सहयोग के बिना किसी भी समाज का समग्र विकास संभव नहीं है।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने के लिए तन, मन और धन से सहयोग करने की शपथ ली।

2 जून के सहयोग शिविर की तैयारी तेज, डीएम ने दिए अहम निर्देश

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार "सबका सम्मान-जीवन आसान" अभियान के तहत 2 जून को जिले की 15 पंचायतों में आयोजित होने वाले सहयोग शिविर के सफल संचालन को लेकर जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मखदुमपुर प्रखंड के पंचायत सरकार भवन, मंझोस तथा रतनी फरीदपुर प्रखंड के ज्ञान भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय, दयालबाग नेहालपुर का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने शिविर स्थलों की तैयारियों, प्राप्त आवेदनों की स्थिति, विभागीय समन्वय तथा आमजनों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा प्रशासन केप्रति जनता का विश्वास मजबूत करना है।

डीएम ने शिविर प्रभारी सह जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि शिविर से पूर्व प्राप्त सभी आवेदनों की समुचित जांच कर उन्हें अनिवार्य रूप से सहयोग पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने पीएचईडी, पंचायती राज, आईसीडीएस, ग्रामीण कार्य विभाग, राशन कार्ड एवं आवास योजना सहित विभिन्न विभागों से जुड़े आवेदनों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि शिविर स्थलों पर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री और फ्लेक्स लगाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।निरीक्षण के दौरान जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय कई अधिकारी उपस्थित रहे।

अभय ब्रिगेड के जरिए छात्राओं को सुरक्षा का संदेश दे रही जहानाबाद पुलिस

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जहानाबाद पुलिस द्वारा संचालित "अभय ब्रिगेड" अभियान को अब व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। पुलिस टीम शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों एवं शैक्षणिक संस्थानों में जाकर छात्राओं को अभय ब्रिगेड की कार्यप्रणाली और उससे मिलने वाली सुरक्षा सुविधाओं की जानकारी दे रही है।

जहानाबाद पुलिसिंग पॉलिसी के तहत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य बच्चियों और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभय ब्रिगेड पहले से संचालित है, लेकिन पर्याप्त जानकारी के अभाव में इसका लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान छात्राओं को बताया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की छेड़खानी, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में वे अभय ब्रिगेड और पुलिस की सहायता कैसे प्राप्त कर सकती हैं। उन्हें सुरक्षा संबंधी अधिकारों तथा हेल्पलाइन सेवाओं की भी जानकारी दी जा रही है।

इस अभियान में पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान, अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार पांडेय, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महिला थाना की निरीक्षक तथा महिला पुलिसकर्मी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। पुलिस टीम लगातार कोचिंग संस्थानों और शिक्षण संस्थाओं का दौरा कर छात्राओं से संवाद स्थापित कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम और सुरक्षित माहौल के निर्माण के लिए अभय ब्रिगेड द्वारा सतत निगरानी और जागरूकता कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।

धावा दल की कार्रवाई में मिठाई दुकान से बाल श्रमिक मुक्त, केस दर्ज

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय के निर्देश पर श्रम विभाग द्वारा चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के तहत जिला धावा दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजाबाजार स्थित एक प्रतिष्ठान से बाल श्रमिक को मुक्त कराया। यह कार्रवाई श्रम अधीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई।

जानकारी के अनुसार राजाबाजार, जहानाबाद स्थित "स्वागतम स्वीट्स" नामक प्रतिष्ठान में जांच के दौरान एक बाल श्रमिक कार्यरत पाया गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बालक को श्रम से मुक्त कराया। मुक्त कराया गया बाल श्रमिक पटना जिले का निवासी बताया गया है। इसके बाद उसे बाल कल्याण समिति, जहानाबाद के समक्ष प्रस्तुत कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए बाल गृह भेज दिया गया।

श्रम अधीक्षक ने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत संबंधित नियोजक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी दुकान, प्रतिष्ठान या व्यावसायिक इकाई में बाल श्रमिकों से काम कराना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में दोषी नियोजकों पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना तथा दो वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है।

उन्होंने सभी प्रतिष्ठान संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों अथवा 18 वर्ष से कम आयु के किशोरों को खतरनाक कार्यों में लगाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की कि कहीं भी बाल श्रम की सूचना मिलने पर विभागीय व्हाट्सएप नंबर 9471229133 पर जानकारी दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

घोसी के विकास हेतु विधायक ऋतुराज ने उठाईं सड़क निर्माण मांगें

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। घोसी विधानसभा क्षेत्र के विधायक ऋतुराज कुमार ने विधानसभा में आयोजित पथ निर्माण विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अपने क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने क्षेत्र में बेहतर यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव विभाग के समक्ष रखे।

विधायक ऋतुराज कुमार ने पटना-गया-इस्लामपुर मुख्य मार्ग पर हुलासगंज में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए बाईपास निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि बाईपास बनने से जाम की समस्या कम होगी और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके अलावा छोटीहां के समीप सड़क के संकीर्ण होने के कारण लगातार हो रही दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव भी रखा।

उन्होंने मसौढ़ी-एकंगरसराय-भैया-ओकरी पथ के चौड़ीकरण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि यह महत्वपूर्ण सड़क दो जिलों को जोड़ती है और इसके विस्तार से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। इसके अतिरिक्त ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक में विधानसभा क्षेत्र की दर्जनों सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया।

विधायक ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास, सुरक्षित यातायात और जनसुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार इन मांगों पर सकारात्मक पहल करेगी। ऋतुराज कुमार ने कहा कि जनता ने जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरना उनका दायित्व है और वे क्षेत्र के विकास से जुड़े हर मुद्दे को लगातार सदन में उठाते रहेंगे।

महाबोधि महाविद्यालय में शासी निकाय की बैठक, शैक्षणिक गुणवत्ता और विकास कार्यों पर जोर

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। महाबोधि महाविद्यालय, नालंदा में सोमवार को शासी निकाय की महत्वपूर्ण बैठक महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता, वित्तीय प्रबंधन तथा भविष्य की योजनाओं से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में महाविद्यालय के सचिव राजेंद्र प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि एवं किसान कॉलेज सोहसराय के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा, दानदाता सदस्य अनिल भारती, शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. सुधीर कुमार तथा महाबोधि महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पिछली बैठक में लिए गए सभी प्रस्तावों एवं निर्णयों की समीक्षा कर सर्वसम्मति से उनकी पुष्टि की गई। इंटरमीडिएट परीक्षा 2018 में उत्कृष्ट परिणाम के आधार पर बिहार सरकार से प्राप्त 26 लाख 32 हजार 600 रुपये की अनुदान राशि के उपयोग की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्ष 2016-18 के दौरान कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को गठित वेतन समिति की अनुशंसा के अनुसार राशि का भुगतान कर दिया गया है, जिसे शासी निकाय ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

बैठक में महाविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन जी+2 शैक्षणिक भवन के कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। प्रभारी प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत व्यय विवरण का अवलोकन कर उसे स्वीकृति प्रदान की गई तथा आगामी शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व भवन निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर

कर्मचारियों की सेवा संपुष्टि को मंजूरी दी गई। मंत्री श्रवण कुमार ने महाविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण विकसित करने, नियमित कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्थायी प्राचार्य एवं शिक्षकों की नियुक्ति के लिए चयन समिति के गठन पर भी विचार-विमर्श किया।

बैठक के उपरांत मंत्री श्रवण कुमार ने महाविद्यालय विकास कोष से निर्मित नए भवन का निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य में आवश्यक सुधार और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों को कक्षाओं की ओर आकर्षित करने, सामाजिक सरोकारों से जोड़ने, कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नए पाठ्यक्रम शामिल करने का सुझाव भी दिया।

बैठक में लिए गए निर्णयों को महाविद्यालय के शैक्षणिक विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मॉक ड्रिल के माध्यम से बच्चों को सिखाए गए अग्नि सुरक्षा के गुर

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय जलालपुर में सोमवार को अग्नि सुरक्षा एवं बचाव को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिलसा अग्निशमन विभाग की ओर से किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों को आग लगने की स्थिति में बचाव और सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई।

अग्निशमन विभाग के कर्मी मो. इरफान एवं उनकी टीम ने मॉक ड्रिल के माध्यम से आग पर काबू पाने के व्यावहारिक तरीके प्रदर्शित किए। सबसे पहले कागज के ढेर में आग लगाकर कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशामक यंत्र से उसे बुझाने का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद गैस सिलेंडर से निकली आग को पानी से भीगे कपड़े की सहायता से नियंत्रित करने की विधि दिखाई गई। प्रदर्शन को देखकर छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह देखा गया और उन्होंने सुरक्षा से जुड़े कई सवाल भी पूछे।मो. इरफान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी आपदा से बचाव के लिए जागरूकता और सतर्कता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाने, आसपास के लोगों को सतर्क करने तथा अग्निशमन विभाग को सूचना देने की सलाह दी गई।उन्होंने रसोई गैस, बिजली के उपकरणों और ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। विद्यालय परिवार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आपदा के समय सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में सहायक साबित होते हैं।

सीएचसी की बदहाल व्यवस्था पर भड़की विधायक अनीता देवी, जताई नाराजगी

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र की विधायक अनीता देवी ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पकरीबरावां का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में कई अनियमितताएं और अव्यवस्थाएं सामने आने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई तथा व्यवस्था में तत्काल सुधार का निर्देश दिया।

निरीक्षण के समय प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशिभूषण कुमार अनुपस्थित पाए गए। वहीं कई चिकित्सक एवं कर्मचारी भी अपने कार्यस्थल पर मौजूद नहीं थे, जिससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विधायक ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया, जहां मरीजों के लिए बेड की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। कई बेड जर्जर अवस्था में थे तथा बेडशीट की भी समुचित व्यवस्था नहीं पाई गई।अस्पताल परिसर में फैली गंदगी और साफ-सफाई की खराब स्थिति पर भी विधायक ने नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान उन्हें यह जानकारी भी मिली कि आयुष्मान कार्ड बनाने के नाम पर लोगों से अवैध रूप से पैसे मांगे जा रहे हैं। इसके अलावा कुछ कर्मचारियों द्वारा उपस्थिति दर्ज कराने के बाद ड्यूटी से गायब रहने की शिकायत भी सामने आई।

विधायक अनीता देवी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही और मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार लाने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।इस मौके पर पूर्व विधायक प्रदीप कुमार महतो, पूर्व प्रमुख अनिता पासवान, पूर्व मुखिया डॉ. अरुण यादव, धर्मेंद्र यादव, सतीश यादव, प्रकाश यादव सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नवादा में पुरानी रंजिश को लेकर छुड़ाबाजी, मामा-भांजा समेत दो की मौत, तीन घायल

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के छोटी पाली गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई खूनी झड़प में मामा-भांजा समेत दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है।

मृतकों की पहचान 22 वर्षीय मोहम्मद काशिफ और 17 वर्षीय मोहम्मद अहमद के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में मामा-भांजा बताए जा रहे हैं। वहीं मोहम्मद आतिफ, मोहम्मद आमिर और दूसरे पक्ष की नाजरी प्रवीण गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों को नवादा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार दोनों परिवारों के बीच चुनावी विवाद को लेकर लंबे समय से रंजिश चल रही थी। इस मामले में पहले से दोनों पक्षों की ओर से केस दर्ज था। बताया जाता है कि एक पक्ष को जमानत मिल चुकी थी, जबकि दूसरा पक्ष न्यायालय में सरेंडर करने गया था, जहां जमानत नहीं मिली। इसी बात को लेकर विवाद और बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर छुरा से हमला कर दिया, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही नवादा पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान, रजौली एसडीपीओ गुलशन कुमार और नरहट थानाध्यक्ष गौतम कुमार मौके पर पहुंचे तथा मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि पुरानी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। घटना के बाद गांव में भारी तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मारपीट और घर तोड़ने के आरोप में प्राथमिकी, जांच शुरू

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। थाना क्षेत्र के बिलारी मोड़ स्थित बादी मुशहरी में मारपीट, घर तोड़फोड़ और जातिसूचक गाली-गलौज का मामला सामने आया है। इस संबंध में बादी मुशहरी निवासी कृष्ण मांझी ने कतरीसराय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए गांव के सूरज कुमार एवं अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

दर्ज आवेदन में कृष्ण मांझी ने बताया कि आरोपित ने उनके साथ मारपीट की और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंची उनकी पत्नी कैली देवी के साथ भी कथित रूप से दुर्व्यवहार किया गया।

आरोप है कि उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया गया, जिससे वे घायल हो गईं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि बाद में आरोपित अपने कुछ सहयोगियों के साथ जेसीबी मशीन लेकर पहुंचा और उनके घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। घर में रखे कैसियो, ढोल-ताशा सहित अन्य सामान मलबे में दबकर नुकसानग्रस्त हो गए। आवेदन में परिवार को धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

कृष्ण मांझी ने कहा कि वे महादलित समाज से आते हैं और इसी कारण उन्हें कमजोर समझकर प्रताड़ित किया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस घटनास्थल का सत्यापन कर रही है तथा जांच के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

मंत्रिमंडल में कायस्थ समाज को प्रतिनिधित्व देने की उठी मांग, भाजपा को चेतावनी

जेपी चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। कायस्थ चित्रगुप्त सेना बिहार प्रदेश की बैठक रविवार को कदमकुआं स्थित वंशी कुंज में सेनाध्यक्ष पांडेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार और कायस्थ समाज को घर-घर जोड़ने का निर्णय लिया गया। साथ ही बिहार सरकार के मंत्रिमंडल में कायस्थ समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

बैठक को संबोधित करते हुए सेनाध्यक्ष पांडेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि जनसंघ और भाजपा की स्थापना काल से ही कायस्थ समाज ने पार्टी को भरपूर समर्थन दिया है, लेकिन इसके बावजूद समाज को अपेक्षित राजनीतिक सम्मान और भागीदारी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में भी कायस्थ समाज को स्थान नहीं मिला और बिहार में भी प्रतिनिधित्व लगातार कम होता गया है।उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में कायस्थ समाज के कई नेताओं की उपेक्षा की गई, जिसके कारण समाज में नाराजगी है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल में कायस्थ समाज के प्रतिनिधि को शामिल किया जाए, ताकि समाज को उचित सम्मान मिल सके।

सेनाध्यक्ष ने कहा कि कायस्थ समाज किसी राजनीतिक दल का बंधुआ मतदाता नहीं है। जो दल समाज को सम्मान और राजनीतिक भागीदारी देगा, उसे ही समर्थन मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि शहरी क्षेत्रों में कायस्थ मतदाता चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।बैठक में अधिवक्ता अमिताभ ऋतुराज, सुधांशु भूषण, प्रमिला वर्मा, नवल किशोर, संजीव कर्ण, रौशन प्रियदर्शी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

सम्राट चौधरी का बड़ा निर्देश: सौर ऊर्जा विस्तार और कृषि फीडरों के सोलराइजेशन में लाएं तेजी

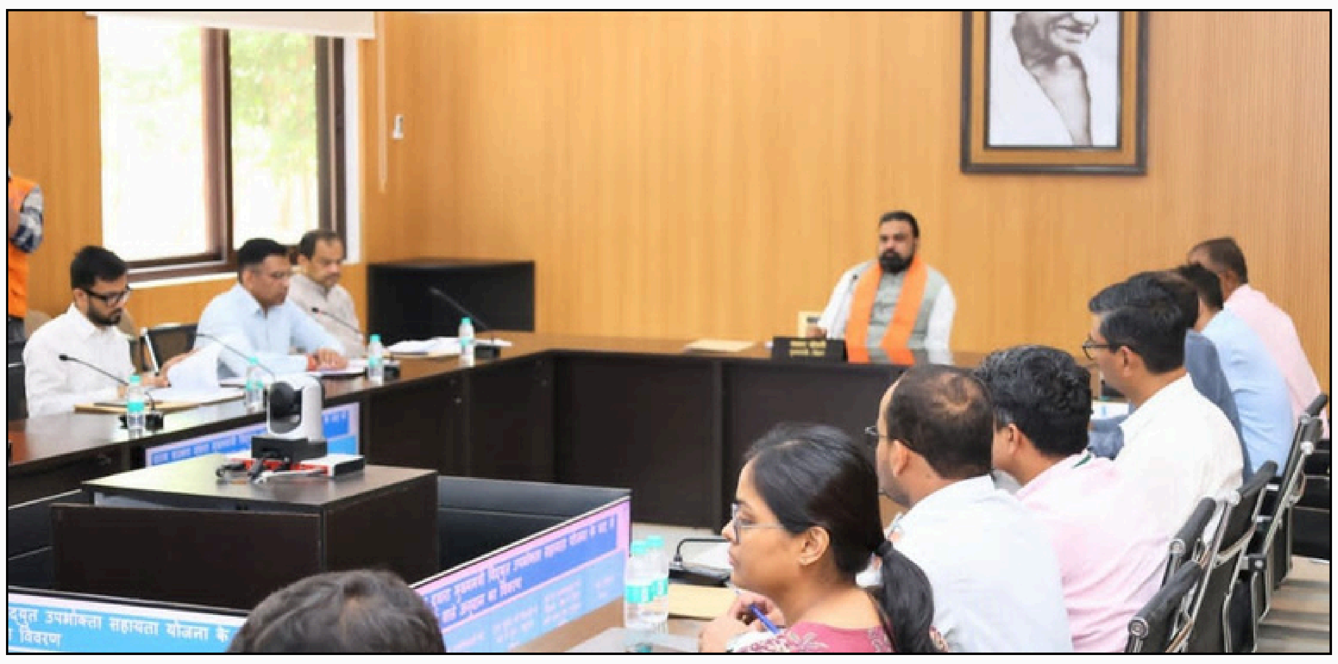

जेपी चौधरी

पटना (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा विभाग को व्यापक स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया है। सोमवार को लोक सेवक आवास, 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में आयोजित ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने, सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा कृषि फीडरों के सोलराइजेशन की गति तेज करने पर विशेष बल दिया।

बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव ने विभागीय योजनाओं, उपलब्धियों और प्रगति की अद्यतन जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 125 यूनिट तक निःशुल्क बिजली उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल बिजली उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि लोगों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां-जहां सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, वहां उनके नियमित रखरखाव और संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के प्रसार पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं को सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही सौर ऊर्जा की कार्यप्रणाली और उसके लाभों के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि ग्रामीण समुदाय इस तकनीक को अपनाने के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक घरों को इस योजना से जोड़ा जाए। उन्होंने उपभोक्ताओं को सोलर पैनल लगाने के लिए जागरूक करने तथा प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने पर बल दिया। इसके साथ ही कुटीर ज्योति योजना के अंतर्गत 10 लाख उपभोक्ताओं के परिसरों में सौर संयंत्र स्थापित करने के लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि फीडरों के सोलराइजेशन को प्राथमिकता दी जाए और अधिक से अधिक कृषि फीडरों को इस योजना में शामिल किया जाए, ताकि किसानों को सिंचाई एवं कृषि कार्यों के लिए स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध हो सके। इससे किसानों की लागत में कमी आएगी और कृषि उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा।

समीक्षा बैठक में ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव लोकेश कुमार सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. गोपाल सिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव, सचिव संजय कुमार सिंह, बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में ऊर्जा क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्हें और प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

शादी के कुछ दिनों बाद नवविवाहिता को घर से निकाला, छह नामजद

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। शादी के कुछ ही दिनों बाद एक नवविवाहिता को कथित रूप से प्रताड़ित कर घर से निकाल देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सरमेरा थाना क्षेत्र के सोंडीहा गांव निवासी परशुराम चौहान ने इस्लामपुर थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी पुत्री के ससुराल पक्ष के छह लोगों के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है।

आवेदन में परशुराम चौहान ने बताया कि उनकी पुत्री आरती कुमारी का विवाह 20 अप्रैल 2026 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार इस्लामपुर प्रखंड के ढेकवाहा पंचायत अंतर्गत हसनगंज गांव निवासी कपिल चौहान के पुत्र गौतम चौहान के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ था। आरोप है कि विवाह के चार-पांच दिन बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग आरती कुमारी को बेवजह मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे तथा उसके साथ मारपीट की जाने लगी।

पीड़िता के पिता के अनुसार मामले को सुलझाने के लिए पंचायत स्तर पर समझौते काप्रयास किया गया, लेकिन इसका कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत के दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने वहां मौजूद एक पंच का मोबाइल फोन क्षतिग्रस्त कर दिया तथा जिस वाहन से वे लोग पंचायत में पहुंचे थे, उसके शीशे तोड़ दिए। साथ ही वाहन चालक के साथ भी मारपीट की गई।

इस मामले में परशुराम चौहान ने अपने दामाद गौतम चौहान, सास, ससुर, ननद और देवर सहित कुल छह लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बंद घरों को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों की संपत्ति चोरी

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर थाना क्षेत्र के बांध रसलपुर गांव में अज्ञात चोरों ने दो बंद घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की नकदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान की चोरी कर ली। घटना से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पीड़ित गृहस्वामी भास्कर कुमार ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ घर में ताला लगाकर किसी कार्य से पटना गए हुए थे। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही वे गांव पहुंचे तो देखा कि मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ है। घर के अंदर जाने पर सभी कमरों के ताले टूटे मिले तथा गोदरेज और बक्सों में रखे सामान बिखरे पड़े थे।भास्कर कुमार के अनुसार चोर 15 हजार रुपये नकद, सोने का टीका, अंगूठी, झुमका, चांदी की सिकड़ी, पीतल एवं कांसे के बर्तन, जमीन से संबंधित महत्वपूर्ण कागजात सहित करीब दो लाख रुपये मूल्य की संपत्ति चोरी कर ले गए। उन्होंने इस संबंध में इस्लामपुर थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

इसी गांव में धनंजय कुमार के बंद घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। उनके घर से सोने-चांदी के आभूषण सहित लगभग दो से तीन लाख रुपये मूल्य की संपत्ति चोरी होने की सूचना है। हालांकि इस मामले में अब तक लिखित आवेदन नहीं दिया गया है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई। स्वान दस्ता एवं एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

इस्लामपुर में ईदुल अजहा (वकरीद) के नमाज विभिन्न मस्जिदों में अदा के जाएगी जिसका समय सारणी निम्न प्रकार है।

ईदगाह 6:15

बड़ी मस्जिद अत्तासराय 6: 05

मस्जिद अबुबकर अत्तासराय 6:15

मलहबिगहा मस्जिद 6:30

मलिकसराय मस्जिद 6:30

कजियाना मस्जिद 6:35

सकीना मस्जिद 6:15

मक्का मस्जिद बॉलीबाग़ 6:30

शेख अब्दुलक़ादिर जिलानी

मस्जिद भण्डार 6:10

जामा मस्जिद बुरहाननगर 6:45

आप सभी से गुजारिश है की अपने सुबिधा अनुसार उक्त समय पर शामिल हो कर ईदुल अजहा का नमाज अदा करें।

नमाज के वाद कुर्बानी का किसी प्रकार का वीडियो फोटो किसी भी प्लेटफार्म पर शेयर ना करें साथ ही साथ किसी प्रकार की गन्दगी को खुले जगह में नहीं फेंके घर की आस पास गड्ढा बना कर गन्दगी को ढक दें

।इस की जानकारी जामा मस्जिद की इमाम मौलाना अरशद मदनी ने दी है।